दैनिक भास्कर

Ranchi E-paper

DainikBhaskar.com

Date :- 12-06-2018

पीजी डिप्लोमा इन आर्ट्स एंड क्राफ्ट में 35 सीटों पर एडमिशन जुलाई से

एजुकेशन रिपोर्टर | रांची

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स (आईजीएनसीए) के रीजनल सेंटर में इसी सत्र (2018-19) से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्ट्स एंड क्राफ्ट की पढ़ाई होगी। अगले माह जुलाई से एडमिशन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके तहत एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। फर्स्ट बैच में 35 स्टूडेंट्स का एडमिशन लिया जाएगा। इस कोर्स को संचालित करने के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक हुई। आर्ट्स एंड क्राफ्ट कोर्स की पढ़ाई गेस्ट फैकल्टी के माध्यम से करने पर सहमति बनी है। प्रोस्पेक्टस के प्रारूप आईजीएनसीए द्वारा तैयार कर लिया गया है। इसमें एडमिशन और कोर्स के बारे में विस्तृत जानकारी है। बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में रांची यूनिवर्सिटी के सेल फॉर स्टडीज के कोऑर्डिनेटर प्रो. अशोक चौधरी, आईजीएनसीए के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. बच्चन कुमार, पीजी इतिहास के पूर्व एचओडी डॉ. एचएस पांडेय, हरेंद्र कुमार सिन्हा आदि थे।

504 आवर का होगा डिप्लोमा कोर्स : पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्ट्स एंड क्राफ्ट का कोर्स एक वर्षीय होगा। इस कोर्स की पढ़ाई च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) से होगी। दो सेमेस्टर में बांटकर सिलेबस तैयार किया गया है। कुल आठ पेपर होंगे। एडमिशन लेने वाले अभ्यर्थियों को एक वर्ष में कुल 504 घंटे पढ़ाई करनी होगी। इसमें 360 घंटे थ्योरी और 144 घंटे प्रैक्टिकल क्लास चलेगी।

40 हजार रुपए होगा कोर्स फी

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्ट्स एंड क्राफ्ट कोर्स का पूरा शुल्क 40 हजार रुपए होगा। यानि एक सेमेस्टर में शुल्क मद में 20 हजार रुपए देने पड़ेंगे। बताते चलें कि इस कोर्स की पढ़ाई शुरू करने के लिए रांची यूनिवर्सिटी की एकेडमिक काउंसिल से पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है। इसलिए इस कोर्स में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को रांची यूनिवर्सिटी द्वारा डिग्री प्रदान की जाएगी। आर्ट एंड क्राफ्ट का डिप्लोमा कोर्स राज्य में पहली बार शुरू किया जा रहा है।

भवन के लिए जमीन का इंतजार

इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स का रीजनल सेंटर अभी रांची यूनिवर्सिटी के मोरहाबादी कैंपस में संचालित किया जा रहा है। सेंटर द्वारा भविष्य में अपना भवन निर्माण किया जाएगा। इसके लिए सरकार से 15 एकड़ भूमि की मांग की गई है।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्ट एंड क्राफ्ट कोर्स में जुलाई से एडमिशन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। प्रोस्पेक्टस का प्रारूप भी तैयार कर लिया गया है। - **डॉ. बच्चन कुमार**, रीजनल डायरेक्टर, आईजीएनसीए